887 Sale of RH 5000/- Lohardaga 874

75 Rs.

पचहत्तर रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

७५ रु. SEVENTY FIVE RUPEES 75 Rs.

J.S. stamp 180 on Sale.

10
14-4.82

46

23

fee paid

A (1)	110.25
N (9)	7.80
	118-05
L.f.a	2.50
P.f.a	0.94
	3.44
	121.49

१४।४।८२

नाम मोकीर. श्री सीता महतो वल्द स्वर्गीय कोलहा महतो जात कोयरी पेशा गिरहस्ती सा० लोहरदगा थाना लोहरदगा जिला राँची।

नाम मोकीर. अर्जीह श्री राम कृष्ण महतो वल्द स्वर्गीय शिवनाथ महतो जात कोयरी पेशा गिरहस्ती सा० लोहरदगा थाना लोहरदगा जिला राँची राष्ट्रीयता भारतीय।—

75 Rs.

पचहत्तर रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

७५रू. SEVENTY FIVE RUPEES 75Rs.

किसिम वसीका : केवाला बैना कमामी

तायदाद रुपया : मो० ५०००/ पांच हजार रुपये।

तफसील जमीन मवाजी ०.४८ डि० अड़तालीस डिसमिल जमीन दाङ लकियत रैयती कायमी खाता नं० 828 नामे मालिक चोलीचंद प्लाट नं० २८४५ से ले पश्चिम आलेख रकबा ०.२३ डि० के प्लाट नं० २८४६ मेसे पश्चिम आलेख ०.२५ डि० मि आल २ प्लाट जुमा रकबा ४८ डिसमी कुल हिस्सा ।:४ (पांच आना चारपाई)।

30 Rs.

तीस रुपये

३०रू. 30Rs.

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

THIRTY RUPEES

जिसके उ० साधो महतो के
बलराम महतो द० रास्ता पु०
अमृत महतो प० मकोना उरांव
थाने बीजो बदना थाना लोहर-
दगा थाना नं० 148 जिला
रांची स्थु० कलकटरी डि० रजिस्ट्री
रांची के सब रजिस्ट्रार मो०
लोहरदगा ओर औपे वरवार
रजिस्ट्री ता० 3.3.60 ई०
दस्तावेज नं० 1034 के हिस्सा
में मय सोकी के मिला जो पास
हिस्सा मय सोकी का है और
दखल में चला आता है अन्दर
जमीन्दारी बिहार सरकार के रसीद
जीत सन्हा भाग मालगुजारी मो० 2.50
पचास पैसे ——

चूंकि मन मोकिर को वास्ते कार अखराजात के लिये रुपया का असद जरूरत है इस लिये मन मोकिर मोकिर अलैह मौसूफ से मो० ५०००/ रुपया नकद अरसमल लेकर बदस्त अरसमन व अकूर के जमीन व अकू वाला को साथ मोकिर अलैह मौसूफ के तमामी कुल हक हकूक के बेचा वो बैनामा कतअी किया वो बजरिये मन मोकिर के उपरोक्त मोबईया पर मोकिर अलैह मौसूफ के दखल कार किया चाहिए के खरीदार मौसूफ में उनके वारिसान कायम मोकामियान हक वो दिगरे उपरोक्त मोबईया पर कायम कारिज दखल कार होकर वो रह कर जोत कोड़ कर के जो कुछ के पैदावार हो सो सब साल ब साल तसर्रुफ किया करें या जैसा पसंद हो करें अब आज के तारीख से किसी किस्म का हक वो दावा वास्ता या सरोकार उपरोक्त मोबईया पर मन मोकिर या वारिसान का बाकी नहीं रहा वो न आईन्दे होगा वो आज के रोज से कुल हक हकूक व मिल्कियत मोकिर अलैह मौसूफ में उनके वारिसान का हुवा वो होगा वो मोबईया व अकूर का दाखिल खारिज वगैरह करा लेवे वो साल साल बसाल जमीन्दार मौजा से अकूर वाला को देकर रसीद अपने नाम से हासिल कर लिया करें [illegible] मन मोकिर या वारिसान मन मोकिर [illegible] होगा इस वास्ते अपने खुशी से कुल रुपया नकद लेकर केवाला बैनामा कतअी लिख दिया के वक्त पर काम आवे।

ता० १४ अप्रैल सन १९८२ ई०।—

कातिब असील अवत लाल ज्ञो हरदगा व अमूल पट्ट० के मोकिर को सूना दिया।—

[illegible]